

एसपी विनीत जायसवाल ने बड़ी संगत मंदिर परिसर व आश्रम का किया गया स्थलीय निरीक्षण



केनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने थाना कोत वाली नगर क्षेत्रान्तर्गत स्थित ऐतिहासिक बड़ी संगत मंदिर परिसर का भ्रमण कर मंदिर के पुजारियों, महन्त से संवाद स्थापित कर कुशलक्षेम लिया गया तथा भविष्य में किसी

भी प्रकार की कोई भी परेशानी होने पर तत्काल पुलिस को अवगत कराने हेतु बताया गया। विदित हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत इमामबाड़ा स्थित दो सौ वर्ष पुराने बड़ी संगत मंदिर जो हिन्दु देवता हनुमान जी को समर्पित है जिसके परिसर व मुख्य द्वार पर कुछ स्थानीय लोगों द्वारा अवैध अतिक्रमण किया गया था जिसको कुछ दिन पूर्व ही

प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण मुक्त कराया गया था। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा वहां उपस्थित क्षेत्राधिकारी नगर एवं थाना प्रभारी कोतवाली नगर को निर्देशित किया गया कि आसपास प्रभावो गस्त करते हुए सतत दृष्टि रखी जाए जिससे अतिक्रमण मुक्त कराए गए स्थान पर पुनः कोई अतिक्रमण ना होने पाए।

बिना डॉक्टर के संचालित हो रहा जनता डायग्नोस्टिक सेंटर

केनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के कटरा बजार थाना क्षेत्र में बिना डॉक्टर के संचालित हो रहे जनता अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ आखिर कब कार्रवाई होगी यह सवाल अब उठने लगा है। अंकडे के अनुसार कटरा बजार थाना क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन हुआ बिना डॉक्टर के पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित हो रहे हैं। जहां डॉक्टर नहीं हैं ऐसे अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटरों की रिपोर्ट भी सही नहीं होती। सूत्रों के अनुसार यह दावा लखनऊ मेडिकल कालेज में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ ने किया है। डॉक्टर ने बताया कि उनके पास आने वाले मरीज की हिस्ट्री व रिपोर्टों में काफी अंतर रहता है। डॉ. राम मनोहर लोहिया के स्त्री रोग विशेषज्ञ की माने तो गोण्डा जिले से एक लोग एक महिला को लेकर परिजन डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल आए थे। परिजनों के पास रिपोर्ट के अनुसार महिला का



हीमोग्लोबिन 5.5 था। जबकि शक होने पर जांच कराई गई तो महिला में हीमोग्लोबिन 10.5 मिला। वही सूत्रों के मुताबिक लोहिया अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि गोण्डा जिले के एक अल्ट्रासाउंड से आई एक रिपोर्ट

में गर्भस्थ शिशु को मृत बताया गया था जबकि गर्भ में बच्चा जीवित था। वही डॉक्टर ने दावा किया कि ग्रामीण अंचल से जितने भी मरीज आते हैं उनके पास जो जांच रिपोर्ट रहती है वह मरीज के हिस्ट्री से काफी अलग

होती है। उन्होंने बताया कि टीएलसी जांच की रिपोर्ट में भी काफी अंतर आ रहा है। डॉक्टर ने बताया कि उनके यहां आने वाले मरीजों के पास जो जांच रिपोर्ट होती है उसमें से पचास फीसदी रिपोर्ट गलत होती है।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने अनुसूचित जाति राजकीय छात्रावास जेल रोड किया औचक निरीक्षण

केनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने देर शाम को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति राजकीय छात्रावास जेल रोड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अचानक अनुसूचित जाति राज कीय छात्रावास जेल रोड पहुंची और वहां पर

राजकीय छात्रावास जेल रोड के कैम्पस में लगेगा नया वाटर कूलर : जिलाधिकारी



गया कि कैम्पस में लगी पानी की टंकी खराब है पानी की टंकी से बराबर पानी बराबर नहीं आता है, जिससे छात्रावास में आवासित छात्रों को लाइट एवं पानी की समस्याएं हो रही हैं। छात्रों द्वारा अवगत कराए गए समस्याओं को जिलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि

अनुसूचित जाति राजकीय छात्रावास जेल रोड में सोलर लाइट तथा पानी की टंकी को जल्द से जल्द सही कराया जाए, ताकि छात्रों को लाइट एवं पानी से समस्याओं का सामना ना करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रावास के कैम्पस में नया वाटर कूलर दो दिवस में लगवाने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित

अधिकारी को यह भी निर्देश दिए हैं कि छात्रावास के कैम्पस तथा आसपास में साफ सफाई की व्यवस्था भी तत्काल सही कराया जाए और संबंधित अधिकारी के द्वारा छात्रावास का बराबर निरीक्षण किया जाए, ताकि छात्रावास में आवासित छात्रों को किसी प्रकार की कोई समस्याओं का सामना न करना पड़े।

केनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में 'जुमें की नमाज' के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा पुलिस बल के साथ शहर क्षेत्र में पैदल गस्त किया गया। गस्त के दौरान ड्यूटी पर लगे जवानों के पास मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों को चेक किया गया तथा चिन्हित हॉटस्पॉट वाले क्षेत्रों व मस्जिदों में शांतिव्यवस्था ड्यूटी में लगे जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने शहर क्षेत्र के मौलवी, धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित कर जुमा की नमाज को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया। स्थानीय अभिसूचना इकाई एवं अन्य अभि सूचना तंत्रों के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले विभिन्न असामाजिक, अवांछनीय एवं साम्प्रदायिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गयी। पुलिस सोशल मीडिया सेल द्वारा भी लगातार सोशल



मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों, ट्विटर, फ़ेसबुक व व्हाट्सएप ग्रुपों सहित अन्य सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों पर निरंतर

निगरानी की गयी तथा संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरे की मदद से सतत निगरानी की गई।

नगर पंचायत का कूड़ा जला कर फैला रहे प्रदूषण, आखिर कब होंगी कार्यवाही

केनविज टाइम्स संवाददाता

जरवल बहराइच। जरवल में एनजीटी के निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। एक तरफ किसानों के पराली जलाने पर सरकार ने रोक लगा रखी है। राजस्व कर्मी किसानों के खेतों में पहुंचकर किसानों पर जुर्माना लगा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ लखनऊ बहराइच हाईवे के किनारे नायरा पेट्रोल पंप के बगल बसहिया पाते में खुलेआम नगर पंचायत के कूड़े के ढेर में आग लगाकर प्रदूषण फैलाया जा रहा है, फिर भी नगर पंचायत पर जुर्माना लगाने में जिम्मेदार नाकाम रहे हैं। जरवल नगर पंचायत से निकलने वाला कूड़ा लखनऊ बहराइच हाईवे के किनारे बसहिया पाते में नायरा पेट्रोल पंप के बगल इकट्ठा किया जाता है। कई ट्रक कूड़ा इकट्ठा होने के बाद कूड़े के ढेर में आग लगावा दी जाती है। हाइवे के किनारे



कूड़े के ढेर में आग लगाने से चारों तरफ धुआं ही धुआं दिखाई देता है। जिम्मेदार एनजीटी के निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रदूषण रोकने के लिए जिम्मेदारों को नगर पंचायत का यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता है या जिम्मेदार जानबूझकर अपनी आंखों पर पट्टी बांध

लेते हैं। किसानों के ऊपर सख्ती दिखाकर रौब जमाने वाले जिम्मेदार जरवल नगर पंचायत पर जुर्माना नहीं लगा रहे हैं। ऐसे उदा रहे हैं। प्रदूषण रोकने के लिए जिम्मेदारों को नगर पंचायत का यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता है या जिम्मेदार जानबूझकर अपनी आंखों पर पट्टी बांध

प्रदेश में कारखानों के पंजीकरण में आयी तेजी एवं कर्मकारों को दी गई सुरक्षा

केनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। प्रदेश में कारखाना अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत कारखानों के पंजीयन कराये जाने हेतु कारखानादरों की सुगमता के दृष्टिगत निवेश मित्र सिंगल विण्डो पोर्टल सिस्टम के माध्यम से कारखानों के पंजीयन की ऑनलाइन व्यवस्था द्वारा पंजीयन कराया जाता है। गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में पंजीकृत हुये 3118 कारखानों का पंजीयन कराया गया तथा इसके अतिरिक्त 498 कारखानों का अस्थायी पंजीयन भी कराया गया। प्रदेश में कुल 3616 नये कारखाने पंजीकृत हुए जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में पंजीकृत हुये 1476 नये कारखानों की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में हुये नये पंजीयन एवं पूर्व से जारी लाईसेंस के नवीनीकरण के फलस्वरूप शुल्क के रूप में ₹0 929.12 लाख राजस्व की प्राप्ति

हुयी। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 (27-08-2024 तक) में 1335 नये कारखानों का पंजीयन कराया गया है जिसके फलस्वरूप नये पंजीयन एवं नवीनीकरण में शुल्क के रूप में ₹0 263.69 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। पंजीयन की संख्या में और अधिक वृद्धि किये जाने के लिए सकारात्मक कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में स्थापित पंजीकृत कारखानों में कार्यरत कर्मकारों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराये जाने एवं उनकी कार्य दशाओं में उपयुक्त सुधार हेतु तथा श्रमिक हितों के दृष्टिगत समय-समय पर केन्द्रीय निरीक्षण प्रणाली के अन्तर्गत गठित टीम द्वारा संयुक्त निरीक्षण किये जाते हैं, ताकि कारखाना अधिनियम-1948 एवं तत्सम्बन्धी उत्तर प्रदेश नियमावली 1950 एवं अन्य सुसंगत अधिनियम एवं नियमावतियों में विद्यमान प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित

कराया जा सके। गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 161 कारखानों के निरीक्षण सम्पादित किये गये तथा निरीक्षण के दौरान पाये गये उल्लंघनों में अनुपालन के प्रति उदासीन पाये गये कारखानेदरों के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में कुल 62 अभियोग दायर किये गये। जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में (27-08-2024 तक) में 278 निरीक्षण सम्पादित किये जा चुके हैं। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना एवं रोजगारपरक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ किये जाने हेतु ऐसे प्रतिष्ठान जो कारखाना अधिनियम-1948 के अन्तर्गत पंजीयन योग्य है किन्तु उनके द्वारा पंजीयन नहीं कराया गया है, ऐसे कारखानों को पंजीकृत किये जाने हेतु पूरे प्रदेश में सर्वेक्षण का अभियान चलाया गया ताकि अधिक से अधिक कारखानों को कारखाना अधिनियम-1948 के अन्तर्गत पंजीकृत किया जा सके। इस पंजीकरण से

पूँजीनिवेश के फलस्वरूप प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती प्राप्त होगी। सर्वेक्षण के परिणाम स्वरूप गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 2600 अपंजीकृत प्रतिष्ठानों को कारखाना अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया जो उपरोक्त उल्लिखित 3616 नये पंजीकृत हुये कारखानों में सम्मिलित है। कारखानों में रात्रि पाली में महिला कर्मकारों को कार्य करने/नियोजित करने संबंधी छूट प्रदान किये जाने के प्राविधान लागू किया गया है। प्रदेश सरकार ने कारखाना अधिनियम-1948 की धारा 66 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के परिप्रेक्ष्य में निर्गत अधिसूचना संख्या 647/36-3-22-17 (सा0)/2022, दिनांक 27/05/2022 द्वारा कारखानों में रात्रि पालि में महिला कर्मकारों को कार्य करने/ नियोजित करने की सशर्त छूट प्रदान की गयी है।

अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए डीआई जी ने की गोष्ठी, दिए खास दिशा निर्देश

केनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक ने शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने के राष्ट्र विरोधी तत्वों के प्रयासों को विफल करने के लिए अधिकारियों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश उन्होंने देवी पाटन परिक्षेत्र में अपराध और सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान दिए। डीआईजी अमित पाठक ने अधिकारियों को जिले के थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी कर त्वरित कार्यवाही करने एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाइन जनपद गोण्डा में गोष्ठी की गई और संसदिध लोगों पर निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने शांतिपूर्ण माहौल को बनाए रखने के लिए राष्ट्र विरोधी तत्वों के नापाक इरादों को विफल करने के लिए संसिद्ध व्यक्तियों की पहचान कर



चोरी होने वाले वाहनों को खोज कर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अवैध कब्जे व अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये हैं। डीआईजी अमित पाठक ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि देवीपाटन परिक्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाया जाए। जो

चोरी होने वाले वाहनों को खोज कर उनके मालिकों तक पहुंचाएंगी। वाहन चोरों की धर पकड़ के लिए उनका डाटा भी तैयार किया जाए, इस गोष्ठी में विभिन्न बिन्दुओं जैसे- असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाहा अवैध मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं

निष्कर्षण पर पूर्ण रूप से रोकथाम, फुट पेट्रोलिंग एवं चेकिंग अभियान, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही व नियंत्रण आदि पर चर्चा की गयी। थाना क्षेत्र के कस्बों बाजारों में अतिक्रमण हटाए जाने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि बनाये रखने तथा साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वालों भ्रामक व गलत संदेशसूचना को किसी भी प्लेटफार्म पर प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने, थाना स्तर पर जनशिकायतों का शत प्रतिशत अंकन तथा प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और अपर पुलिस अधीक्षक व जनपद के समस्त समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना, शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों से ठगी करने वाले दो शांति गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना कौशांबी पुलिस ने शुक्रवार को विदेश (अजर्बैजान) में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करके फर्जी वीजा व टिकट तैयार करके पैसे हड़पने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 22 पासपोर्ट, 02 फर्जी प्रमाण पत्र, 01 लैपटॉप मय चार्जर, 04 मोबाइल फोन व 01 स्कूटी बरामद हुई हैं। एसपी स्वतंत्र कुमार ने बताया कि थाना कौशांबी पर रामप्रस्थ ग्रीन निवासी किशन कुमार ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर फर्जी वीजा व टिकट देना और दो लाख 95 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराने के मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना कौशांबी पुलिस ने मैनुअल इन्पुट, सीसीटीवी फुटेज की सहायता से घटना में संलिप्त दिल्ली के कांफर मोहल्ला निवासी मनीष कुमार गोंड उर्फ गणेश और अयोध्या के ग्राम मझनाई निवासी शाहबुख्त खान मैक्स हॉस्पिटल रोड वैशाली से गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने पृष्ठताछ में बताया कि उन्होंने वैशाली सेक्टर-1 ब्लाउड-9 टावर में जय अम्बे इन्टर प्राइसिस नाम से अपना ऑफिस खोल रखा था। यहां पर आने वाले

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल गोण्डा केनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के द्वारा जय न्य मामलों में अपराधियों की धर-पकड़ के लिए दिए गए दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए मनकापुर प्रभारी निरीक्षक मनोज पाठक की टीम ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ी करने के मुकदमें में वांछित एक नफर अभियुक्त को मुखबिर खास की सूचना पर करवा मनकापुर मण्डप के पीछे मैदान से गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया।

योगी सरकार युवाओं को दे रही बिजनेसमैन बनने का सुनहरा मौका, मिलेगा बड़ा लोन गोण्डा केनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की अनोखी पहल कोई न रहे बेरोजगार अपनाये स्वरोजगार के तहत मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना को लागू किया गया है जिसके सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बाबूराम उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र गोण्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजना है जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, उद्यम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना लागू किया गया है। उक्त योजना के माध्यम से सूक्ष्म लघु एवं मध्यमों को गति प्रदान करने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिबंध एक लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु महत्वाकींशी योजना प्रारम्भ की गयी है। योजना के प्रचार-प्रसार के संबंध में कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभागार गोण्डा में दिनांक 21 दिसम्बर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे निर्धारित है। जिसमें आप सभी से अनुरोध है कि आप स्वयं कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए पात्र युवकों को कार्यशाला में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित करें। योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र गोण्डा कार्यलय में सम्पर्क किया जा सकता है।

महिला जनसुनवाई दिवस 24 दिसम्बर को बहराइच केनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के निर्देशानुसार 'महिला जनसुनवाई दिवस' कार्यक्रम के अन्तर्गत 24 दिसम्बर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से लो.नि.वि. निरीक्षण भवन बहराइच में आयोग की सदस्य श्रीमती अंजू प्रजापति की अध्यक्षता में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में महिला अपराधों की समीक्षा एवं जनसुनवाई की कार्यवाही की जायेगी।

अंबेडकर के प्रति नफरत का शाही इजहार

आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कौन कह सकता है कि ये शब्द अमित शाह के हैं जो देश के गृह मंत्री हैं। यह भी कोई नहीं सोच सकता कि वे उसी संविधान की बदलत यह पद पाकर देश की सर्वोच्च संस्था में सरकार का दाहिना हाथ बनकर उन्हीं अंबेडकर को कोस रहे हैं जिन्हें संविधान की रचना का मुख्य श्रेय जाता है। फिर, यह भी कल्पना के परे है कि गृह मंत्री उसी संसद के फ्लोर पर खड़े होकर ऐसा कह रहे हैं जो संविधान के दिशानिर्देशों के अनुसार चलती हैय और फिर जिस सत्र के दौरान शाह ने यह अप्रिय व अशालीन टिप्पणी की वह उसी संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा का स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह टिप्पणी शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखे हुए अपने भाषण के दौरान की। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाथ उठाकर उसी वक्त अपनी आपत्ति प्रकट करने की इजाजत तो मांगी थी लेकिन सरकार का बचाव करने के लिये कटिबद्ध सभापति व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसे नजरंदाज कर दिया। इसे लेकर संसद परिसर में बुधवार को सांसदों का रोष दिखलाई दिया जो कि स्वाभाविक है। खरगे ने कहा कि श्बेशक उनके लिये और उनके जैसे करोड़ों लोगों के लिये अंबेडकर भगवान की ही तरह हैं। उल्लेखनीय है कि खरगे दलित समुदाय से आते हैं। सांसदों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए संसद परिसर में एक प्रदर्शन किया जिसमें वे अपने हाथों में अंबेडकर के चित्र लिये हुए थे। उन्होंने शाह से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। दुखद बात तो यह है कि अपने गृह मंत्री के बयान पर शर्मिंदा होने अथवा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बजाये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बचाव पर उतर आये। उन्होंने कांग्रेस पर शाह का अधूरे बयान उद्धृत कर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि शाह ने कांग्रेस को देश के पहले कानून मंत्री अंबेडकर के साथ जो किया था, उसके बारे में जानकारी दी है। शाह के पक्ष में भाजपा का आईटी सेल भी उतर आया और उसने सफाई में गृह मंत्री का पूरा वीडियो डाला है। उधर राहुल गांधी ने इस पर यह बयान देकर शाह की धेरोबन्दी की है कि र्जगो लोग मनुस्मृति में भरोसा करते हैं उन्हें अंबेडकर से तकलीफ तो होगी ही। लोकसभा में इस विषय पर चर्चा करते हुए राहुल ने संविधान और मनुस्मृति की प्रतियां दिखलाते हुए कहा था कि श्असली लड़ाई इन दोनों कितानवों के बीच की है। यदि कोई सोचता है कि शाह का यह बयान कोई सामान्य सा उद्घरण है तो उसे अपनी गततफ्दमी को दूर कर लेना चाहिये। संविधान का गौरव गान करने वाला यह विशेष सत्र सत्तराहू दल भारतीय जनता पार्टी ने कोई स्वरुचि या अंतरूपरेणा से अथवा वास्तविक श्रद्धा भाव के साथ आयोजित किया हो, तो ऐसा बिलकुल नहीं है। जिस दल के वैचारिक पुरखों ने पहले दिन से ही संविधान को नकार दिया हो उसके मन में यकायक ग्रेम उमड़ पड़ना भाजपा की सियासी मजबूरी है। जड़ में तो घृणा ही है। इस साल के लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और उसका नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) दोनों इस बात को लेकर निश्चित थे कि उन्हें ३70 व 400 का आंकड़ा प्राप्त होगा। यानी भाजपा अपने अकेले दम ३70 सीटें लायेगी तथा मिल-जुलकर 400 की संख्या पार हो जायेगी। अति उत्साहित कई भाजपा उम्मीदवारों और नेताओं ने पहले ही बात दिया कि श्मोदी को इस बम्पर जीत की जरूरत इसलिए है क्योंकि उन्हें संविधान बदलना है। भाजपा-एनडीए को उम्मीद थी कि सामाजिक ऋचीकरण के चलते बड़ी जीत हासिल होगीय लेकिन इसे विपक्षी गठबन्धन खासकर कांग्रेस ने अपना प्रमुख विमर्श बना लिया। स्थिति पलट गयी। सीटों के एक बड़े नुकसान के साथ भाजपा तेलुगू देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों का सहारा लेकर ही सरकार बना सकी।

देहरादून के वैद्य वेद प्रकाश गोयल की मधुमेह की दवा हुई पेटेंट

उत्तराखंड की जड़ी-बूटियों का दोहन बाहरी राज्यों के लोग ज्यादा कर रहे हैं लेकिन इस प्रदेश के कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जड़ी-बूटियों के माध्यम से लोगों को नवजीवन देने का काम कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों में एक नाम वेद प्रकाश गोयल का है जिनकी जड़ी-बूटी को सेंट्रल कार्टिसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साईंस (सीसीआरएएस) द्वारा पेटेंट कर दिया गया है। वेद प्रकाश गोयल उन लोगों से हैं जो घर से ही आयुर्वेदिक दवा बनाकर लोगों को स्वस्थ करने की इच्छा से सेवा करते हुए वर्षों से इस साधना में लगे रहे हैं। आज लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वेह आयुष सेवा में जुटे हैं। आयुर्वेद की दवा का पेटेंट प्राप्त कर चुके वैद्य वेद प्रकाश गोयल का कहना है कि लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वे चाहते हैं कि लोग निरोगी रहें। अपना संस्करण बताते हुए वेदप्रकाश गोयल का कहना है कि उनके माता-पिता की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें लेकिन ऐसा न हो सका। उसी इच्छा को पूरा करने के लिए उन्होंने आयुर्वेदिक ग्रंथों का अध्ययन किया, जड़ी-बूटियों की पहचान कर उनके गुणों को परखा। समय-समय पर पुराने हकीमों, वैद्यों की शरण में जाकर उनके अनुभवों द्वारा सीपियों के उपचार और जड़ी बूटियों के संघटकों को मिलाकर औषधियां तैयार करने का तरीका सीखा। आज भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

धर्म मंत्र

श्री विट्ठल के विग्रह रूप में भगवान आज भी धरती पर विराजमान हैं

भगवान विट्ठल, श्री हारे के अवतार थे। उन्होंने यह अवतार क्यों लिया इसके बारे में एक पौराणिक कहानी में उल्लेख मिलता है। हुआ यूं था कि 6वीं सदी में संत पुंडलिक माता-पिता के परम भक्त थे। एक दिन वे अपने माता-पिता के पैर दबा रहे थे कि श्रीकृष्ण रक्मिणी के साथ वहां प्रकट हो गए। वे पैर दबाने में इतने लीन थे कि अपने इष्टदेव की ओर उनका ध्यान ही नहीं गया। तब प्रभु ने उन्हें स्नेह से पुकार कर कहा, ‘पुंडलिक, हम तुम्हारा आतिथ्य ग्रहण करने आए हैं।’ पुंडलिक ने जब उस तरफ देखा, तो भगवान के दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि भरे पिताजी शयन कर रहे हैं, इसलिए आप इस ईंट पर खड़े होकर प्रतीक्षा कीजिए और वे पुन: पैर दबाने में लीन हो गए। भगवान पुंडलिक की सेवा और शुद्ध भाव देखकर प्रसन्न हो गए और कमर पर दोनों हाथ धरकर और पैरों को जोड़कर ईंटों पर खड़े हो गए। कुछ देर बाद पुंडलिक ने फिर भगवान से कह दिया कि आप इसी मुद्रा में थोड़ी देर और इंतजार करें। भगवान को पुंडलिक द्राप दिए गए स्थान से भी बहुत प्रेम हो गया। उनकी कृपा से पुंडलिक को अपने माता-पिता के साथ ही ईश्वर से साक्षात्कार हो गया। ईंट पर खड़े होने के कारण श्री विट्ठल के विग्रह रूप में भगवान आज भी धरती पर विराजमान हैं। यही स्थान पुंडलिकपुर या अपभ्रंश रूप में पंढरपुर कहलाया। रेल : पंढरपुर में कुर्दुवादि रेलवे जंक्शन से जुड़ा हुआ है। कुर्दुवादि जंक्शन से होकर लातूर एक्सप्रेस , मुंबई एक्सप्रेस, हुसैनसागर एक्सप्रेस , सिद्धेश्वर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेने रोजाना मुंबई जाती हैं। पंढरपुर से भी पुणे के रास्ते मुंबई के लिए ट्रेन चलती है।

सोच विचार

विपक्षी एकता की दरकती दीवार और बाबा साहेब का अपमान

संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में चार दिनों तक लम्बी चर्चा चली। राज्यसभा में चर्चा का जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। उन्होंने अपने लगभग एक घण्टा 40 मिनट लम्बे भाषण में जिस तरह से तथ्यों और तर्कों को रखा उसने कांग्रेस नेतृत्व को मुंह छिपाना मुश्किल हो रहा था। अमित शाह के भाषण के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे लेकिन कोई भी नेता दमवारी से अमित शाह के तर्कों का विरोध नहीं कर सका। राज्यसभा की कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा और मोदी विरोधी तंत्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया और यह प्रचारित किया जाने लगा कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया है। इसके बाद बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हो गए। कांग्रेस के उठाए मुद्दे पर इन दलों की जुगलबंदी के बाद तमाम राजनैतिक विश्लेषक कयास लगाने लगे कि पिछले दिनों विपक्षी एकता में जो दरारें दिख रही थी, वह इस मुद्दे के बाद थम जाएगी। लेकिन बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता कायम होने की उम्मीद जताने से पहले दो बिन्दुओं पर विचार करना अपरिहार्य है। पहला यह कि आखिर ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेता कांग्रेस को पीछे क्यों ढकेलना चाहते हैं। दूसरा, बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस का किस हद तक बचाव कर सकेंगे जबकि ऐतिहासिक तथ्य इस मामले में खड़ा करते हैं। दरअसल, राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जिस आक्रामक अंदाज में कांग्रेस को घेरा, उसने राहुल गांधी के ‘संविधान बचाओ’ अभियान की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने अपने भाषण में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सिलसिलेवार तरीके से बताया कि किस तरह कांग्रेस की सरकारों ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक के कार्यकाल में निजी और राजनैतिक हित साधने के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने पहले संविधान संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि इसके जरिए देश के आम लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को छीनने का प्रयास किया गया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने अदालत से उनके खिलाफ आए एक फैसले के बाद अपनी कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लगा दिया और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए। राजीव गांधी ने तो वोटबैंक के लालच में शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को ही पलट दिया गया। इसके उलट मोदी सरकार ने पिछले दस साल के शासनकाल में संविधान में जो भी संशोधन किए हैं उनका उद्देश्य देश को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मोर्चे पर मजबूत बनाना रहा है। इसके लिए उन्होंने महिलाओं के आरक्षण देने, पूरे देश में एक समान कर प्रणाली (जीएसटी) लागू करने और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद ३70 निष्प्रभावी करने जैसे कई संविधान संशोधनों का जिक्र किया। भाजपा और मोदी पर संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर पिछले लोकसभा चुनाव में आंशिक सफलता हासिल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की कलाई भी अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान खोलकर रख दी। उन्होंने तथ्यों के आधार पर समझाया कि किस तरह कांग्रेस सरकारों की वजह से जम्मू और कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा गया। जािमिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में दलितों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विस्तार से बताया कि किस तरह दो बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम्बेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई। यहाँ तक कि उनके खिलाफ चुनाव

अमित शाह के भाषण के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे लेकिन कोई भी नेता दमदारी से अमित शाह के तर्कों का विरोध नहीं कर सका। राज्यसभा की कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा और मोदी विरोधी तंत्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया और यह प्रचारित किया जाने लगा कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया है। इसके बाद बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हो गए। कांग्रेस के उठाए मुद्दे पर इन दलों की जुगलबंदी के बाद तमाम राजनैतिक विश्लेषक कयास लगाने लगे कि पिछले दिनों विपक्षी एकता में जो दरारें दिख रही थी, वह इस मुद्दे के बाद थम जाएगी। लेकिन बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता कायम होने की उम्मीद जताने से पहले दो बिन्दुओं पर विचार करना अपरिहार्य है। पहला यह कि आखिर ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेता कांग्रेस को पीछे क्यों ढकेलना चाहते हैं। दूसरा, बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस का किस हद तक बचाव कर सकेंगे जबकि ऐतिहासिक तथ्य इस मामले में खड़ा करते हैं।

लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुद जाकर प्रचार भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तार्किक आरोपों से बौखलाए कांग्रेसियों ने राज्यसभा में अमित शाह के भाषण से 12 सेकेण्ड की एक वीडियो क्लिप निकाली जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं ‘आजकल एक नया फैशन चला है, आम्बेडकर, आम्बेडकर, आम्बेडकर। इतना नाम यदि भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।’ कांग्रेस और उससे जुड़ा प्रचार तंत्र मौके का लाभ उठाने के लिए इस वीडियो क्लिप को बहु प्रसारित (वायरल) करने में जुट गया। भाजपा और मोदी के विरोध में वातावरण तैयार करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी उनके सूर में सूर मिलाते हुए अमित शाह पर राजनैतिक हमले शुरू कर दिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मालेना, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर आ गए। इसी तरह अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी अमित शाह के बयान की तीखी आलोचना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो बाकायदा पत्रकार वार्ता करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की कि अमित शाह को केंद्रीय मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाए। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी नेताओं के हमले झेल रहे अमित शाह भी शाम के समय पत्रकारों के बीच आए लेकिन वे किसी तरह से बचाव की मुद्रा में दिखाई नहीं दिए। कांग्रेस पर ‘सत्य को झूट के कपड़े पहनाकर’ लोगों का भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए वहां मौजूद पत्रकारों से उन्होंने एक ही अपील की कि वे उनके पूरे भाषण को लोगों के सामने रखें, इसे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। सोशल मीडिया के इस युग में किसी भी सच्चाई को ज्यादा समय से छिपा कर रख पाना संभव नहीं है। खासतौर पर तब जबकि राज्यसभा में दिया गया भाषण तमाम स्थानों पर सहज रूप से

उपलब्ध है। दरअसल, अमित शाह के भाषण की 12 सेकेण्ड की जो वीडियो क्लिप बहु प्रसारित की जा रही है उसके आगे के अंश में वे कह रहे हैं ‘...डॉ. आम्बेडकर का सौ बार और नाम लो लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि उनके बारे में आपकी भावनाएं क्या हैं, वो ज्यादा जरूरी हैं। मैं आपको बता दूँ कि जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार से असहमति के बाद बीआर आम्बेडकर को पहले मंत्रिमण्डल से इस्तीफा देना पड़ा था। आम्बेडकर जी ने कई बार कहा था कि मैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हुए व्यवहार से असंतुष्ट हूँ। सरकार की विदेश नीति और अनुच्छेद ३70 से मैं असहमत हूँ। इसलिए वह पद छोड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें आश्वासन दिया गया और जब वह पूरा नहीं हुआ तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। ऐसे में जो राजनैतिक विश्लेषक ये अनुमान लगा रहे हैं कि बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता की दरकती दीवार बच जाएगी उन्हें समझना होगा कि अमित शाह के भाषण के इस अंश को सुनने के बाद आम्बेडकर समर्थक समझ जाएंगे कि अमित शाह असल में क्या कह रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस का तनिक भी बचाव कर पाना संभव नहीं है। इसके अलावा लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार और अखिलेश यादव के राहुल गांधी एवं कांग्रेस को निशाने पर लेने की असल वजह मुस्लिम वोटबैंक है जो इन क्षेत्रीय दलों की राजनीति का आधार है। हाल ही में हुए हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखण्ड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव नतीजों से साफ हो चुका है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जो भी बढ़त दिखाई दी थी उसका कारण मुस्लिम वोटों का उसके पाले में जाना था। ऐसे में ये क्षेत्रीय नेता कभी नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस उनके इस वोटबैंक में सेंध लगाकर मजबूत हो। इसीलिए इन नेताओं ने राहुल गांधी पर सवाल उठाने शुरू किए हैं। ऐसे में बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर वे कांग्रेस के साथ ज्यादा दूर तक चलेंगे इसकी संभावना नहीं है। –विकास सक्सेना

सेहत मंत्र

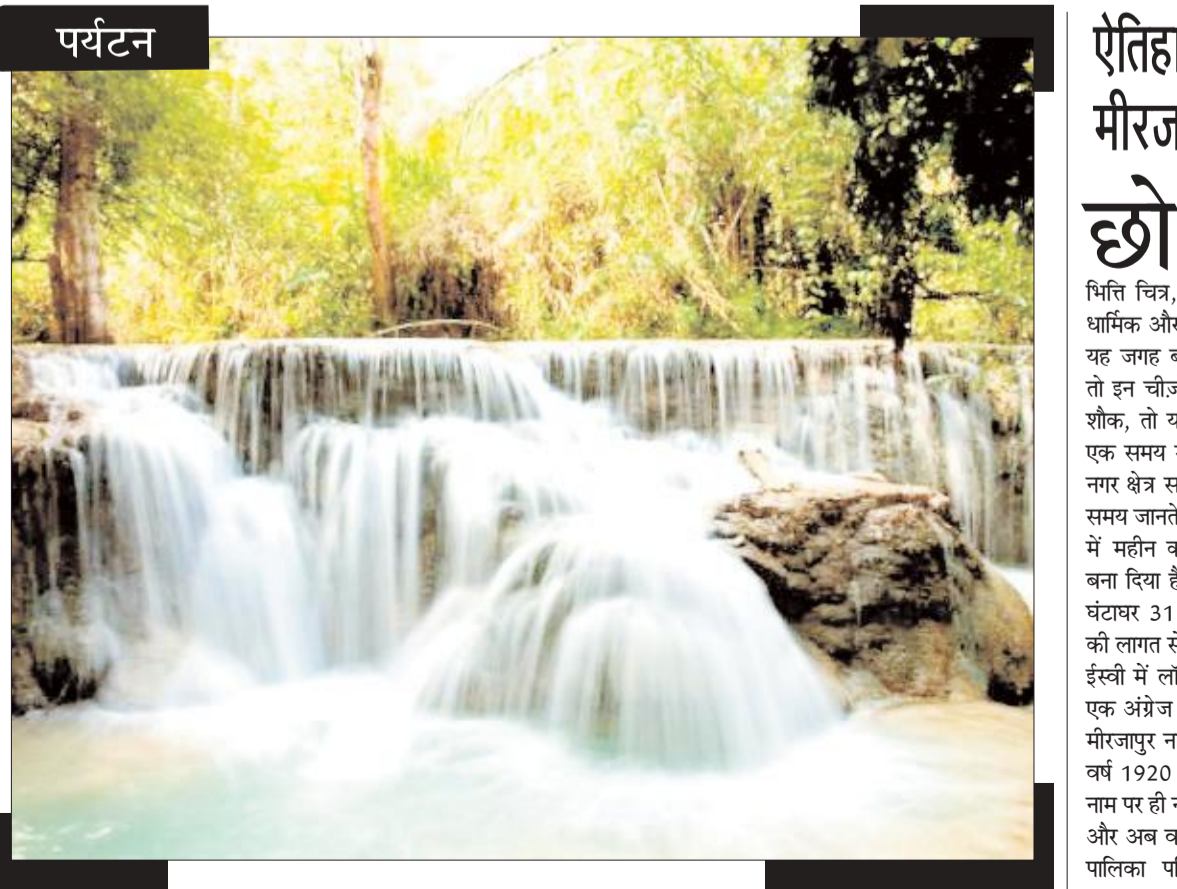
पैदल चलने और साइकिल चलाने से हार्ट अटैक का खतरा कम, 4.3 करोड़ लोगों पर हुआ अध्ययन

पैदल चलना या साइकिल चलाना आपके स्वास्थ्य के लाभदायक होता है, यह बात आप सभी जानते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि अगर आप पैदल चलने या साइकिल चलाने को अपने रोजाना की आदत में शामिल कर लें, तो आप हार्ट अटैक के खतरे से बच सकते हैं? जो हां, हाल में ही लगभग 4.3 करोड़ लोगों पर एक अध्ययन करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया है कि जो लोग अपने काम पर पैदल जाते हैं या साइकिल से जाते हैं, उन्हें भविष्य में हार्ट अटैक का खतरा होने की संभावना बहुत कम होती है। ये रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के द्वारा की गई है, जिसमें ओलम्पिक मंडल विजेता भाइयों की जोड़ी एलिस्टेयर और जॉनी ब्राउनली भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने बताया कि हार्ट संबंधी बीमारियों को बढ़ाने वाले सबसे बड़े कारक व्यक्ति का ज्यादा वजन, धूम्रपान की लेत, डायबिटीज और एक्सरसाइज की कमी है। ऐसे में जो लोग अपने रोजमर्रा के कामों के लिए पैदल चलने या साइकिल चलाने की आदत बनाते हैं, उन्हें हार्ट अटैक होने की

संभावना कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने ये अध्ययन 2011 के यूके संसद डाटा के आधार पर किया, जिसमें 25 से 74 साल के लगभग 43 मिलियन (4.3 करोड़) लोग शामिल थे। ये सभी लोग नौकरीपेशा थे और अध्ययन का मुख्य आधार इनके काम पर जाने के साधन/माध्यम को बनाया गया। इस अध्ययन को यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में छपा गया है। शोध के आंकड़े बताते हैं कि पैदल चलने या साइकिल चलाने के फायदे महिलाओं और पुरुषों, दोनों में ही बराबर पाए गए। इन सभी में हार्ट अटैक की संभावना सामान्य लोगों की तुलना में 1.7% तक कम पाई गई। हालांकि हार्ट की बीमारियों के मामले में 1.7% खतरे की कमी आपको बहुत मामूली मालूम पड़ सकती है, मगर शोधकर्ताओं ने बताया कि पैदल चलने और साइकिल चलाने के बहुत सारे अतिरिक्त लाभ भी हैं। पूर्व में की गई तमाम रिसर्च बताती है कि पैदल चलने और साइकिल चलाने से आपका ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, कोलेस्ट्रॉल आदि कंट्रोल रहता है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोए मीरजापुर है हर तरह के यात्रियों के लिए खास

छोटे-छोटे झरनों की फुहार, रोमांचित करने वाले जल प्रपात तथा गुफा के पथरों पर बने भित्ति चित्र, मीरजापुर को बनाते हैं खास। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही लिहाज से यह जगह बनाता है अपनी अलग पहचान। तो इन चीजों को अगर देखने को रखते हैं कराय़ा गया, जो एक दिन के रूई कारोबार की आय से निर्मित किया गया था। इस पुल के गर्भ गृह में कई कक्ष बने हुए हैं, जिनमें समय जानते थे। देशी पत्थर पर गौथिक शैली में महीन कारीगरी ने घंटाघर को अद्वितीय बना दिया है। तीन मंजिला 100 फुट ऊंटा घंटाघर ३1 मई 1891 को 18000 रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ था। 17३5 ईस्वी में लॉर्ड मरक्युरियस वेलेस्ले नाम के ऑंग्रेज अफसर ने इस क्षेत्र की स्थापना मीरजापुर नाम से की, लेकिन नगर पालिका में वर्ष 1९20 में अस्तित्व में आई। वेलेस्ले के नाम पर ही नगर का पाश इलाका वेलेस्लीगंज और अब वासलीगंज के नाम से प्रसिद्ध है। पालिका परिषद ने 97 वर्ष का सप्तर



उत्कृष्टता की ललक अश्विन को खास बनाती है : शास्त्री

एजेंसी

मेलबर्न। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और विरोधी की चिंता किये बिना अपने कौशल में निखार की रविचंद्रन अश्विन की ललक ने उन्हें खास बनाया है। 38 वर्ष के अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेकर सभी को हैरान कर दिया। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि मुझे जो बात प्रभावित करती है, वह लगातार खुद को निखारने की उसकी ललक। वह यथास्थिति से कभी संतुष्ट नहीं होता। उन्होंने कहा कि पिछले दो तीन साल में जिस तरह से उसने गेंदबाजी की है और अपने कौशल को निखारा है, वह अलग नजर आया है। अपने खेल के विकास की प्रक्रिया में अश्विन ने नयी गेंदों और अपने एक्शन पर लगातार काम किया। शास्त्री ने कहा कि वह नयी चीजें सीखना चाहता था और उसने इस पर काफी मेहनत की। उसने हमेशा खुद को समय के साथ अपडेट रखा। वह मैच विनर



रहा है और 537 टेस्ट विकेट इसके गवाह हैं। टेस्ट क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लेना खास है। वेस्टइंडीज के खिलाफ नयी गेंदों में पदार्पण करने वाले अश्विन ने कुल 765 विकेट लिये जिनमें 537 टेस्ट विकेट थे। शास्त्री ने कहा कि पिछले चार

पांच साल में अश्विन और रविंद्र जडेजा ने मिलकर बेहतरीन स्पिन जोड़ी बनाई। दोनों एक दूसरे के पूरक रहे। यह कहूंगा कि पिछले पांच छह साल में जडेजा के विकेटों में अश्विन का और अश्विन के विकेटों में जडेजा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा

कि बायें हाथ के और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन का रिकॉर्ड लेना खास है। वेस्टइंडीज के खिलाफ नयी गेंदों में पदार्पण करने वाले अश्विन ने कुल 765 विकेट लिये जिनमें 537 टेस्ट विकेट थे। शास्त्री ने कहा कि पिछले चार

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : अंतिम दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए मैकस्वीनी, कॉस्टास को मौका

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों के लिए ओपनर नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में डेब्यू करने वाले मैकस्वीनी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में 10, 0, 39, 10*, 9 और 4 रन बनाए हैं। उनकी जगह 19 वर्षीय न्यू साउथ वेल्स के ओपनर सैम कॉस्टास को टीम में शामिल किया है। कॉस्टास सीरीज से पहले डेविड वॉर्नर की खाली जगह भरने की दृष्टि में थे, लेकिन प्रबंधन ने शुरुआत में मैकस्वीनी को ही मौका दिया। कॉस्टास ने पिछले महीने इंडिया ए के खिलाफ नामांक 73 रन और प्रधानमंत्री एकादश के लिए पिंक बॉल वार्म-अप गेम में 107 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने इस महीने की शुरुआत में शेफ़ील्ड शिल्ड में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के लिए 88 रन



और तीन दिन पहले बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के लिए 27 गेंदों में 56 रन बनाए। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उनकी बल्लेबाजी की शैली अलग पहचान देती है और हम उनके खेल को और बेहतर होते देखने के लिए उत्सुक हैं। हमें पूरा भरोसा है कि नाथन में भविष्य में टेस्ट स्तर पर सफल होने की क्षमता और स्वभाव है। उन्हें बाहर रखना एक कठिन निर्णय था। पूरी श्रृंखला

में बल्लेबाजों के लिए शीर्ष क्रम में खेलना स्पष्ट रूप से एक चुनौती रही है और हम अगले दो मैचों के लिए एक अलग लाइन अप का विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। जोश हेजलवुड के बाहर होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने ब्यू वेबस्टर के साथ तेज गेंदबाज सीन एबॉट और ड्राई रिचर्डसन को भी टीम में शामिल किया है। बेली ने कहा कि जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में, ड्राई तेज गेंदबाजी में और विकल्प प्रदान करते हैं। घरेलू गर्मियों के शुरुआती दौर में उनकी सफल वापसी देखना सुखद रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: पेट कर्मिस (कप्तान), ट्रेविस हेड (उपकप्तान), स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलेंड, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, ड्राई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

आईओसी ने अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी के दस्तावेज जारी किये

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को ग्रीस में 144वें आईओसी सत्र में होने वाले आईओसी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों के उम्मीदवारी दस्तावेज जारी किए। ये दस्तावेज सभी के लिए ioc.org पर डाउनलोड करने और देखने के लिए उपलब्ध हैं, और कुछ दस्तावेज अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश संस्करणों में उपलब्ध कराए गए हैं। सात उम्मीदवार, एचआरएच प्रिंस फैसल अल हुसैन जॉर्डन ओलंपिक समिति के अध्यक्ष, डेविड लेपर्टीएंट यूनिन साइबिरियन इंटरनेशनल के अध्यक्ष, जोहान एलियास अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड फेडरेशन के अध्यक्ष, जुआन एंटोनियो समरंच आईओसी के उपाध्यक्ष, क्रिस्टी कोवेंट्री जिम्बाब्वे के तैराक और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, सेबेस्टियन को विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष, मोरिनारी वतनबे अंतरराष्ट्रीय जिम्नारिस्टिक महासंघ के अध्यक्ष, 30 जनवरी, 2025 को किब्टूरलैंड के लॉजिन में आईओसी सदस्यों के समक्ष ऑनलाइन अपने अध्यक्षीय उम्मीदवारी की प्रस्तुति देंगे।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष घरेलू वन डे कप का नाम डीन जोन्स ट्रॉफी रखा गया

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष घरेलू वन डे कप का नाम डीन जोन्स ट्रॉफी रखा गया है, जो उस खिलाड़ी के सम्मान में होगा जिसने सीमित ओवरों के खेल में "क्रॉति" ला दी थी। इस वर्ष की शुरुआत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक अभियान शुरू किया गया था, जिसमें टूर्नामेंट का नाम रखने के लिए खिलाड़ियों की एक सूची बनाई गई थी, जिसमें जोन्स, माइकल बेवन और एंड्रयू साइमंड्स शामिल थे, जिनका मूल्यांकन ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट हॉल ऑफ फ़ेम समिति द्वारा किया गया था। पुरस्कार के लिए मुकाम मानदंडों में पुरुषों की एक दिवसीय प्रतियोगिता में उनका रिकॉर्ड, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी होना और 50 ओवर के प्रारूप का पर्याय बनने वाला खिलाड़ी होना शामिल था। सितंबर 2020 में 59 वर्ष की आयु में निधन हो जाने वाले जोन्स ने विकेटोरिया के लिए 55 घरेलू एक दिवसीय



मैचों में 50.52 की औसत से 2122 रन बनाए और उन्हें 1994-95 का खिताब दिलाया, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, जहां वह 50 ओवर के खेल में अग्रणी थे, उन्होंने सात शतकों सहित 44.81 की औसत से 6068 रन बनाए और 1987 के एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली टीम का होना शामिल था। सितंबर 2020 में, जोन्स ने 46.93 की औसत से 10,936 रन बनाए। हॉल ऑफ फ़ेम के अध्यक्ष पीटर

किंग ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, "जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फ़ेम चयन समिति ने इस सम्मान के लिए खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया, तो एक खिलाड़ी का प्रदर्शन, रिकॉर्ड, प्रतिष्ठा, योगदान और प्रभाव स्पष्ट रूप से सामने आया, जिसके कारण यह सर्वसम्पत्ति से निर्णय लिया गया। डीन जोन्स ने एक दिवसीय खेल में क्रॉति ला दी और सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों के दिमाग पर अपनी छाप

छोड़ी, यह ऐसे व्यक्ति के लिए मान्यता का हकदार है जिसका योगदान इतना बड़ा था। जोन्स की बेटी, फोबे ने कहा, "जोन्स परिवार की ओर से हम अपने पिता की इस मान्यता के लिए बहुत आभारी हैं, जिन्हें हम बहुत याद करते हैं। यह जानना और भी खास है कि उनके प्रशंसक ने वोट दिया और आज एमसीजी में उनके 'उनके कार्यालय' में इसका अनावरण किया जाएगा। उन्होंने कहा, "पिताजी को यह सम्मान पाकर बहुत गर्व होगा। उन्हें इस प्रतियोगिता में विकेटोरिया का प्रतिनिधित्व करना बहुत पसंद था और 1987 में ऑस्ट्रेलिया के लिए 50 ओवर का विश्व कप जीतना उनके जीवन का सबसे बड़ा क्रिकेट दिवस था। ट्रॉफी के नामकरण के साथ-साथ, अब फाइनल के योगदान और प्रभाव स्पष्ट रूप से सामने आया, जिसके कारण यह सर्वसम्पत्ति से निर्णय लिया गया। डीन जोन्स ने एक दिवसीय खेल में क्रॉति ला दी और सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों के दिमाग पर अपनी छाप

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 81 रन से हराया, वनडे सीरीज भी जीती

एजेंसी

केपटाउन। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 81 रन से हराकर विदेशी सरजमीं पर लगातार दूसरी वनडे श्रृंखला जीत ली। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराने के बाद पाकिस्तान ने एक मैच बाकी रहते दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से मात दी। बाबर आजम, कप्तान मोहम्मद रिजवान और हरफनमौला कामरान गुलाम के अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तानी टीम ने 329 रन बनाये। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 44वें ओवर में 248 रन पर आउट हो गई। हेनरिक क्लासेन ने 97 रन बनाये। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने तीन ओवर में तीन विकेट करके दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया। पाकिस्तानी टीम फरवरी में चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी कर रही है और लगातार दो अच्छी जीत से उसका मनोबल बढ़ेगा। पाकिस्तान के लिये



अच्छी बात बाबर का फॉर्म में लौटना भी रही जिन्होंने मई के बाद किसी भी प्रारूप में पहला अर्धशतक जड़ते हुए 95 गेंद में 73 रन बनाये। पिछले 13 महीने में वनडे में यह उनका पहला अर्धशतक है। रिजवान में तीन विकेट करके दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया। पाकिस्तानी टीम फरवरी में चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी कर रही है और लगातार दो अच्छी जीत से उसका मनोबल बढ़ेगा। पाकिस्तान के लिये

ने आखिरी दस ओवरों में 105 रन बना डाले। दक्षिण अफ्रीका ने 330 रन के लक्ष्य के जवाब में अच्छी शुरुआत की लेकिन स्पिनर अबरार अहमद और अनियमित स्पिनर सलमान आगा ने शीर्ष क्रम के तीन विकेट लेकर मेजबान टीम को करार झटके दिये। क्लासेन को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका। पाकिस्तान के लिये अफरीदी ने चार और नसीम शाह ने तीन विकेट चटकाये।

भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में आक्रामक रवैया अपनाना होगा : रिचा घोष

एजेंसी

नवी मुंबई। विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने टी20 श्रृंखला में जीत के बाद भारतीय महिला टीम से आत्ममुग्धता से बचने का आग्रह करते हुए तीन मैचों की आगामी वनडे श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाने का आग्रह किया। घोष ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक जमाया जिसकी मदद से भारत ने बृहस्पतिवार को तीसरे टी20 मैच में 217 रन बनाये। उन्होंने सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड में न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन और ऑस्ट्रेलिया की फिबी लिचफील्ड की बराबरी कर ली। श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हम इस लय को वनडे में बरकरार रखना चाहेंगे। हमें आक्रामक रवैया अपनाना होगा। यह नया मैदान है और हम पहले हालात का आकलन करके रणनीति बनायेंगे। उन्होंने कहा कि वह

हमेशा से आक्रामक बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं हर मैच में आक्रामक बल्लेबाजी ही करना चाहती हूँ। यह अभ्यास सत्र से आता है क्योंकि अभ्यास सत्र में अच्छा करने पर मैच में उसे दोहराना आसान हो जाता है। मैंने ऐसे ही तैयारी की है और इससे मुझे मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से पावर हिटर रही हूँ। मैंने अपने पिता को भी ऐसे खेलते देखा है। मैंने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है। इसके अलावा महिला प्रीमियर लीग और महिला बिग बैश लीग में खेलने का काफी फायदा मिला। मैंने सोफी डेवाइन डिपेंडा डोटिन और हैरी दी (हरमनप्रोत कौर) से इस पर काफी बात की है। घोष ने कहा कि टीम ऑस्ट्रेलिया वरै पर मिली हार को भुलाकर नये सिरे से शुरुआत करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम अतीत को भुलाकर नये सिरे से शुरुआत करना चाहते हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने आये हैं और नतीजे की परवाह किये बगैर ऐसा ही करेंगे।

अब 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकेंगे विलंबित आईटीआर

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए विलंबित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल किया जा सकता है। यह जानकारी आयकर विभाग ने शुक्रवार को दी है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान जारी कर कहा कि यदि आप आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गए हैं, तो आपके लिए विलंबित आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आखिरी समय का इंतजार न करें और आज ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें। विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 और आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 थी, लेकिन अगर कोई करदाता आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि से



चूक गया है, तो भी लेट फीस के साथ वह अपना रिटर्न दाखिल कर सकता है। इसे विलंबित आईटीआर फाइलिंग कहते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक विलंबित आयकर रिटर्न दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234एफ के तहत जुर्माना लगेगा। अगर आकलन वर्ष 2024-25 के आईटीआर 31 दिसंबर को या उससे पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना पांच हजार रुपये होगा। अगर रिटर्न 31 दिसंबर के बाद लेकिन आकलन वर्ष की समाप्ति 31 मार्च, 2025 से पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना 10,000 रुपये होगा। लेकिन अगर जुलाई 2024 थी, लेकिन अगर कोई करदाता आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि से

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज कमजोरी नजर आ रही है। आज सोना 650 रुपये से 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 77,280 रुपये से लेकर 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,850 रुपये से लेकर 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक



राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने हरिद्वार को दी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात, कई योजनाओं का किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को हरिद्वार के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स समेत 54 करोड़ 31 लाख की योजनाओं का लोकार्पण किया। वहीं नगर निगम हरिद्वार की करीब 199 विकास योजनाओं का भी सीएम ने शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मद्रसों पर जांच को दोहराते हुए कहा कि मद्रसों की जांच के आदेश दिए गए हैं। कहा कि अवैध मद्रसों और जिनका पिछला रिकॉर्ड ठीक नहीं है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली संसद की घटना पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस लोग लोकतांत्रिक तरीके से काम नहीं कर पा रही है, इसलिए इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं, जिसकी वो निंबा करते हैं।



उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है। हरियाणा का चुनाव हो या महाराष्ट्र का चुनाव हो, जनता उन्हें पूरी तरह से नकार चुकी है। जिससे बोखलाकर विपक्ष इस तरह का कार्य कर रहा है। यूसीसी पर

हरिद्वार जिले में विभिन्न मंदां से नवनिर्मित कई योजनाओं का शिलान्यास आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। इसमें मुख्य रूप से खनन न्यास निधि से बने सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स समेत कुल 239 योजनाएं शामिल हैं। कुल 54 करोड़ 31 लाख 55 हजार रुपये की लागत से तैयार योजनाओं के लोकार्पण से आमजन को इसका लाभ मिलने लगेगा। सीएम खनन न्यास निधि से कराए जाने वाली कुल 50 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें मुख्य रूप से 8 करोड़ 88 लाख की लागत से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सालियर को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। इसी तरह हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण एचआरडीए से कराए गए कार्यों में मुख्य रूप से भल्ला स्थित नवनिर्मित सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं मां मनसा देवी स्वागत द्वार का विकास कार्य भी शामिल है।

उत्तराखंड के विकास की ओर एक और कदम, ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने दिल्ली में रखा राज्य का पक्ष

■ ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात
■ विकास योजनाओं पर चर्चा, पूर्व में स्वीकृत 2288 किमी लंबी सड़कों के लिए दिया धन्यवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखंड राज्य के लिए पूर्व में स्वीकृत 2288 किलोमीटर लंबी सड़कों के लिए केंद्रीय मंत्री को धन्यवाद



दिया। मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और सामरिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों को केंद्रीय मंत्री के सामने रखा। उन्होंने पीएमजीएसवाई-3 के अंतर्गत 600 किलोमीटर सड़कों और 10 पुलों के उन्नयन के लिए अनुरोध किया। साथ ही पीएमजीएसवाई-4 के

अंतर्गत असंयोजित बस्तियों को जोड़ने के लिए मोटर मार्गों की डीपीआर बनाने की स्वीकृति का भी आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन सभी मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। भेंट के दौरान मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री को उत्तराखंड की संस्कृति का प्रतीक पहाड़ी टोपी भी भेंट की, जिससे मुलाकात का विशेष महत्व और भी बढ़ गया।

मोटे अनाज से सेहत और समृद्धि की ओर! ग्रामीण महिलाएं पकड़ेंगी स्वावलंबन की डोर

■ मोटे अनाज के व्यंजन को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कृषि विभाग ने दिया प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक में शुक्रवार को कृषि विभाग की ओर से पौष्टिक अनाज के मूल्य संवर्धन तथा व्यंजन विधियां एवं स्वरोजगार को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला के साथ समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। कृषि एवं संरक्षण अधिकारी कर्णप्रसाग डॉ. आशुतोष बरलवाल ने कहा कि मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसका उपयोग कर समूहों के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकती हैं तभी कृषि से किसानों की आमदनी दुगुनी हो



सकती है। इस दौरान कृषि विभाग ने मोटे अनाजों के 20 से अधिक व्यंजन बनाए गए, जिसमें झंगोरा की खीर, कनाली की मिठाई, माल्टा की मिठाई सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर स्वरोजगार को लेकर प्रेरित किया गया। क्षेत्र पंचायत प्रशासक प्रीति भंडारी ने कहा कृषि विभाग ने जिस प्रकार स्थानीय उत्पादकों व्यंजनों का प्रशिक्षण दिया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण ग्राम पंचायत स्तर पर लगे जिससे इसका लाभ स्वरोजगार के रूप में ग्रामीण उठा सके। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत प्रशासक प्रीति भंडारी, कृषि खंड अधिकारी हरीश टप्टा, अनिल नेगी आदि मौजूद थे।

चारधाम यात्रा 2025: यात्रा प्राधिकरण से होगी व्यवस्था सुचारू

■ यात्रा प्राधिकरण बनाने के लिए सभी प्रक्रियाएं 30 जनवरी तक पूर्ण की जाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी चारधाम यात्रा के सफल संचालन और सुगम बनाने के लिए अभी से पूरी तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के दृष्टिगत इनकी धारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में प्रयास करने को कहा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए यात्रा प्राधिकरण बनाने के लिए सभी



प्रक्रियाएं 30 जनवरी, 2025 तक पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि चारों धामों के तीर्थ पुरोहितों और हितधारकों के साथ 15 जनवरी 2025 तक बैठक कर उनके सुझाव लिए जाएं। तीर्थ पुरोहितों और स्टेक होल्डरों से सुझाव लेकर यात्रा प्रबंधन के लिए जो अच्छा हो सकता है, वह किया जाए। सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल करते हुए यात्रा पंजीकरण की व्यवस्था मजबूत की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के इन चारों धामों की यात्रा राज्य के मान और सम्मान से जुड़ी यात्रा है। आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यात्रियों की हर प्रकार की सुविधा,

यातायात प्रबंधन, अवस्थापना सुविधाओं के विकास के दृष्टिगत धामों की धारण क्षमता, यात्रा मार्गों पर विभिन्न व्यवस्थाओं और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अभी से पूरी तैयारियों की जाएं। उन्होंने कहा कि गत वर्ष चारधाम यात्रा में अत्यधिक श्रद्धालुओं का आगमन हुआ था। इसके बेहतर के लिए भी अभी से पूरी योजना बनाकर कार्य किये जाएं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि चारधाम यात्रा मार्गों पर जिन स्थानों पर वाहनों को रोकने की व्यवस्था हो, उन स्थानों पर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही होटल, पेयजल, शौचालय, स्वच्छता और अन्य सभी मूलभूत आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चारों धामों के आस-पास के पौराणिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किये जाएं। शीतकालीन

यात्रा के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं बनने से चारधाम यात्रा के दौरान भी इससे व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य के इन चारों धामों के शीतकालीन प्रवास स्थलों के आस-पास के पौराणिक क्षेत्रों के विकास के साथ ही पंच बंदी और पंच केदार के महत्व के बारे में भी व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए और इनका सुनियोजित विकास भी किया जाए। इस अवसर पर भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गत वर्षों में चारधाम यात्रा के दौरान आई प्रमुख कठिनाइयों और उनके समाधान के लिए क्या उपाय किये जा सकते हैं? चारधाम यात्रा के दौरान यातायात प्रबंधन और पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जानकारी दी। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किये जाएं। शीतकालीन

लकड़घाट एसटीपी में क्लोरीन गैस रिसाव, एसडीआरएफ की मुस्तैदी से तला हादसा

ऋषिकेश। ऋषिकेश के लकड़घाट स्थित 26 एमएलडी के एसटीपी प्लांट में एक क्लोरीन सिलिंडर के लीकेज होने से स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और फायर सर्विस के साथ मिलकर रिसाव को नियंत्रित किया। एसडीआरएफ के प्रभारी कर्बिंद्र सजवान ने बताया कि शुक्रवार को टीम को सूचना मिली कि लकड़घाट स्थित एसटीपी प्लांट में क्लोरीन गैस का सिलिंडर लीक हो रहा है। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम फायर सर्विस के साथ तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर सिलिंडर से गैस रिसाव हो रहा था, लेकिन टीम ने तत्परता से काम करते हुए गैस रिसाव पर काबू पा लिया। एसडीआरएफ, फायर सर्विस और प्लंट कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत से लीक सिलिंडर को हाइड्रा की मदद से पानी के टैंक में डाला, जिससे रिसाव पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया गया।

ऑपरेशन स्माइल : बिछड़े नाबालिग को परिजनों से मिलवाया, मां की गोद में लौटा बचपन

■ मुरादाबाद में ट्रेन छूटने के कारण परिवार से बिछड़ गया था बिहार का नाबालिग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। एचटीवी की टीम ने गत सात दिनों के रैस्क्यू किए नाबालिग को उसके परिजनों से मिलवाया। नाबालिग को पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजनों ने टीम का आभार जताया। दरअसल, पुलिस और एचटीवी की टीम ने अपरेशन स्माइल चलाया हुआ है। इसी के तहत एचटीवी की टीम ने गत सात दिनों के



को मुरादाबाद में ट्रेन छूटने के कारण अपने साथियों से बिछड़े 15 वर्षीय बालक निवासी लाहौरिया चौक बेतिया बिहार का अपरेशन स्माइल चलाया हुआ है। इसी के बाद नाबालिग कबाड़ बिनकर गुजर-बसर

कर रहा था। टीम ने बालक को रैस्क्यू कर बालक कल्याण समिति के आदेश पर खुला आश्रय गृह कनखल में सुरक्षित रखा। टीम ने बालक के परिजनों को बिहार से तलाश कर बाल कल्याण समिति हरिद्वार के समक्ष

प्रस्तुत किया। समिति ने कार्डसिलिंग के बाद बालक को उसकी मां फूलमती देवी को सौंप दिया। बालक को पाकर मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उसने पुलिस का आभार जताया।

आशा नौटियाल ने एम्स ऋषिकेश पहुंचकर घायल युवती का लिया हालचाल, दिया मदद का भरोसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गुप्तकाशी। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने एम्स ऋषिकेश में भती गौडार गांव की घायल युवती प्रीति का हालचाल लिया। घास लेने जंगल गई प्रीति चट्टान से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे तुरंत रांसी हेलीपैड से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर तत्काल हेली एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से युवती को एम्स भेजा गया। उन्होंने कहा कि यह हेली सेवा घायलों के लिए एक बड़ी मदद साबित हो रही है, जिससे सुदूर क्षेत्रों से घायलों को त्वरित उपचार मिल पा रहा है। विधायक ने घायल युवती के परिवार को



हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया और सरकार द्वारा चलाए जा रहे हेलीकॉप्टर सेवा का धन्यवाद किया। वहीं, गौडार गांव के निवर्तमान प्रधान वीर सिंह ने प्रदेश सरकार, विधायक आशा नौटियाल और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व धर्म संसद में गुंजे स्वर! पाक और बंगलादेशी हिंदुओं के लिए सेना की मदद से अलग देश बनाएं पीएम मोदी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्रीपंचदशनाम जुना अखाड़े में आयोजित विश्व धर्म संसद के दूसरे दिन संतों और प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए अलग राष्ट्र की मांग की। उन्होंने एक स्वर में यह आह्वान किया कि मोदी सरकार इन देशों में हिंदुओं के सुरक्षा के लिए सैन्य कार्रवाई करें और इन देशों का बंटवारा करके हिंदुओं के लिए एक अलग राष्ट्र की स्थापना करें। संतों और जनसमुदाय ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को हिंदुओं का नेता मानते हैं तो उन्हें बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदुओं के लिए अलग राष्ट्र की स्थापना के लिए तुरंत कदम उठाना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते तो यह हिंदू समाज के लिए विश्वासघात होगा और उनकी नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल उठेगा। विश्व धर्म



संसद के आयोजकों ने इस मौके पर उत्तराखंड सरकार के अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। संतों का आरोप था कि राज्य के अधिकारी धर्म संसद के आयोजनों में व्यवधान डाल रहे हैं, जिससे सनातन धर्म का अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी अब सनातन धर्म के मजाक का कारण बन चुके हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद

गिरी महाराज ने सभा में कहा कि हम हिंदुओं की सबसे बड़ी दुर्दशा का कारण यही है कि हमारा कोई अपना राष्ट्र नहीं है। अगर हम सनातन वैदिक राष्ट्र की स्थापना हमें असफल होते हैं तो दुनिया में सनातन धर्म का विनाश कोई नहीं रोक पाएगा। हमें अब इस लक्ष्य के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने संकल्प लिया कि सनातन वैदिक राष्ट्र में एक भी मस्जिद, मद्रसा और जिहादी का स्थान नहीं होगा

और यह राष्ट्र हर सनातनी का संरक्षण करेगा, जैसे इजराइल अपने यहूदी नागरिकों का करता है। अयोध्या हनुमान गढ़ी के श्रीमहंत राजू दास ने भी विश्व धर्म संसद को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार और उसके अधिकारियों द्वारा आयोजन में विघ्न डालना सनातन धर्म का अपमान है। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से इस मामले का संज्ञान लेने और इन अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। सभा में एकजुट हुए संतों ने यह भी कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए अब कोई भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटेंगे। उनके अनुसार, सनातन वैदिक राष्ट्र की स्थापना हिंदू समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया है और इसके लिए सभी हिंदू एकजुट होकर काम करेंगे। अब हिंदू समाज अपने अधिकारों और धर्म की रक्षा के लिए निर्णायक कदम उठाने के लिए तैयार है।

समूहों को ऋण वितरण के लिए बैंकों में लगेगी शिविर

गोपेश्वर। मुख्य विकास अधिकारी चमोली नंदन कुमार ने जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों को योजना का लाभ पहुंचाने एवं समूहों की आजीविका संवर्धन गतिविधियों के लिए बैंक शाखाओं में 23 से 26 दिसम्बर तक ऋण वितरण शिविर लगाने के निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया है कि ऋण वितरण स्वीकृत सीसीएल बैंकों के पश्चात जिस बैंक शाखा में 10 से अधिक स्वयं सहायता समूह के ऋण आवेदन लंबित है, उन सभी बैंक शाखाओं में 27, 30 और 31 दिसम्बर को भी सीसीएल वितरण करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने लीड बैंक अधिकारी एवं समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बैंक शाखावार ऋण वितरण शिविर के लिए योजना का प्रचार प्रसार किया जाए, ताकि समूहों को योजना का समुचित लाभ मिल सके।

Plot Your Dreams, Build Your Own Storey
नई शुरुआत का शुभारम्भ
सरकार तउन के संग